M.A. RAJASTHANI

(Semester System Based on CBCS Course)

(Two Years Full Time Schedule)

COURSE CONTENTS

(Effective from the Academic Year 2017-18 onwards)

DEPARTMENT OF RAJASTHANI

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY

UDAIPUR (RAJ.)

प्रथम षट्मास

प्रथम प्रश्न पत्र – राजस्थानी साहित्य का इतिहास 41601

(प्रारम्भकाल, पूर्वमध्यकाल)

इकाई प्रथम

प्रारम्भ काल :– (कृतिकार एवं कृतियॉ)

इकाई–द्वितीय

पूर्वमध्यकाल :– (कृतिकार एवं कृतियॉ)

इकाई–तृतीय

प्रारम्भ काल :– (प्रवृतिगत कृतियों की विशेषताएँ)

इकाई–चतुर्थ

पूर्व मध्यकाल :– (प्रवृतिगत कृतियों की विशेषताएँ)

इकाई–पंचम

प्रारम्भ काल एवं मध्यकाल की कृतियों को राजस्थानी साहित्य में योगदान

सहायक पुस्तकें

1.राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ, मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

2.राजस्थानी साहित्य रो इतिहास – बी. एल.माली 'अशांत', राजस्थानी भवन फाउण्डेशन, 3/343, मालवीय नगर, जयपुर, राजस्थान 302017

3.राजस्थानी व्याकरण और साहित्य का इतिहास – पद्मश्री सीताराम लालस, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

4.राजस्थानी साहित्य का इतिहास – डॉ. पुरुषोतमलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

5.राजस्थानी साहित्य का इतिहास – हरदान हर्ष, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

6.राजस्थानी साहित्य का आदिकाल – डॉ. नारायण सिंह भाटी, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

7. राजस्थानी साहित्य का मध्यकाल – डॉ. नारायण सिंह भाटी, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

द्वितीय प्रश्न पत्र – राजस्थानी साहित्य का इतिहास (उत्तर मध्यकाल) 41602

इकाई प्रथम

उत्तर काल :– (कृतिकार एवं कृतियॉ)

इकाई–द्वितीय

उत्तर मध्यकाल :– (वीर काव्य)

इकाई–तृतीय

उत्तर मध्यकाल :– (भक्ति काव्य)

इकाई–चतुर्थ

उत्तर मध्यकाल :–(श्रृंगाार काव्य)

इकाई–पंचम

उत्तर मध्यकाल :–(अन्य काव्य)

सहायक पुस्तकें :–

1.राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ, मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

2.राजस्थानी साहित्य रो इतिहास – बी. एल.माली 'अशांत', राजस्थानी भवन फाउण्डेशन, 3/343, मालवीय नगर, जयपुर, राजस्थान 302017

3.राजस्थानी व्याकरण और साहित्य का इतिहास – पद्मश्री सीताराम लालस, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

4.राजस्थानी साहित्य का इतिहास – डॉ. पुरुषोतमलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

5.राजस्थानी साहित्य का इतिहास – हरदान हर्ष, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

6.राजस्थानी साहित्य का आदिकाल – डॉ. नारायण सिंह भाटी, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

7. राजस्थानी साहित्य का मध्यकाल – डॉ. नारायण सिंह भाटी, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

तृतीय प्रश्न पत्र – प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य 41603

इकाई–प्रथम

वैताळ पच्चीसी – सम्पादक – देवीदान नाईता : प्रकाशक – राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर,

इकाई–द्वितीय

अचल दास खींची री वचनिका :शिवदास गाडण, सम्पादक – डॉ.भूपतिराम साकरिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

इकाई– तृतीय

मुहणौत नैणसी री ख्यात भागः3 (ख्यात संख्या–23 से 30) – सम्पादक बद्रीप्रसाद साकरिया, प्रकाशक – राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

इकाई–चतुर्थ

उक्त तीनों पाठय पुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न

इकाई–पंचम

प्राचीन गदय रूप (वात, ख्यात, वचनिका, दवावैत)

1.प्राचीन काव्यों की रुप परम्परा – अगरचन्द नाहटा, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

2.राजस्थानी गद्य शैली का विकास – डॉ. रामकुमार गरवा, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

चतुर्थ प्रश्न पत्र – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य 41604

इकाई प्रथम

ढोला मारू रा दूहा : ठाकुर रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

इकाई द्वितीय

वेलि क्रिसन रूकमणी री : नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थानी ग्रन्थागार, सोजती गेट के पास, जोधपुर

इकाई– तृतीय

मीरा वृहद् पदावली भाग एकः सम्पादकः– हरिनारायण पुरोहित, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

इकाई–चतुर्थ

उक्त तीनों पाठय पुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न

इकाई पंचम

प्राचीन काव्य रूप (रास, रासो, वेलि, पवाडा, नीसाणी, सिलोका, गीत)

सहायक पुस्तकें

1.प्राचीन काव्यों की रुप परम्परा – अगरचन्द नाहटा, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

पंचम प्रश्न पत्र –राजस्थानी भाषा का उद्‌भव एवं विकास 41605

इकाई प्रथम

उद्‌भव एवं विकास

इकाई द्वितीय

बोलियां, क्षेत्र एवं विशेषताएं

इकाई तृतीय

लिपि

इकाई चतुर्थ

शब्दकोश

इकाई पंचम

भाषा विज्ञान की दृष्टि से महत्व

सहायक पुस्तके –

1.राजस्थानी भाषा एवं उसकी बोलियां – डॉ.देव कोठारी, साहित्य संस्थान, उदयपुर

2.राजस्थानी भाषा का उद्‌भव और विकास – डॉ.दामोदर लाल शर्मा, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

3.राजस्थानी भाषाः भाषा–वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ मनमोहन स्वरुप माथुर, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

4.राजस्थानी भाषा शास्त्र – डॉ.गोविन्द शर्मा, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

5.संक्षिप्त राजस्थानी साहित्यिक और सांस्कृतिक कोश – डॉ. भूपतिराम साकरिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

षष्टम प्रश्न पत्र – राजस्थानी लोक – साहित्य 41606

इकाई– प्रथम

लोक साहित्य की अवधारणा और क्षेत्र

इकाई– द्वितीय

राजस्थान की लोक कथाएँ

इकाई– तृतीय

राजस्थान के लोक गीत

इकाई– चतुर्थ

राजस्थान की लोक गाथाएँ, लोक नाट्य

इकाई– पंचम

राजस्थानी लोकोक्तियॉ – पहेलियॉ, मुहावरें, कहावतें

सहायक पुस्तकें

1.राजस्थानी लोक साहित्य– नानू राम संस्कता, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

2.राजस्थानी लोक गाथाए– डॉ. कृष्ण कुमार शर्मा, लोक कला मण्ड़ल, उदयपुर

3.राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्वान्तिक विवेचन– डॉ. सोहनदास चारण, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

4.राजस्थानी लोक संस्कृति एवं लोक देवी–देवता : डॉ. सुरेश सालवी, आर्य बुक सेन्टर, हिमांशु पब्लिकेशन्स, उदयपुर

5. राजस्थानी लोक नाटयः डॉ. महेन्द्र भाणावत, लोक कला मण्ड़ल, उदयपुर

6.राजस्थानी लोक गाथावां – रामनिवास शर्मा, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

7.राजस्थानी लोक गाथा – पद्मश्री रानी लक्ष्मीकुमारी चुण्ड़ावत, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

8.राजस्थानी कहावतें एक अध्ययन – डॉ.कन्हैयालाल सहल, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

द्वितीय षट्मास

प्रथम प्रश्न–पत्र – आधुनिक कथेत्तर गद्य 42601

इकाई प्रथम

ओलू री अखियातां : डॉ.नेम नारायण जोशी – राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

इकाई–द्वितीय

कारुनटी – बी.एल.माली, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

इकाई –तृतीय

सबडका – श्री लाल नथमल जोशी, धरती प्रकाशन, बीकानेर

इकाई – चतुर्थ

लोक रो उजास – किरण नाहटा आचार्य तुलसी – राजस्थानी शोध संस्थान गंगा शहर, बीकानेर

इकाई – पंचम

उक्त चारो पाठ्यपुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न

द्वितीय प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य 42602

इकाई– प्रथम

वीर सतसई (सूर्यमल मिश्रण कृत) – सम्पादक : नरोत्तमदास स्वामी – प्रकाशक : इण्डिया बुक हाउस, जयपुर, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

इकाई–द्वितीय

चेत मानखा – रेवत दान चारण कल्पित, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

इकाई– तृतीय

लील टांस – कन्हैयालाल सेठिया – प्रकाशक : राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

इकाई –चतुर्थ

उक्त तीनों पाठय पुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न

इकाई –पंचम

आधुनिक राजस्थानी काव्य के इतिहास पर प्रश्न

सहायक पुस्तकें

1.आधुनिक राजस्थानी साहित्यःप्रवृत्तियॉ एवं प्रेरणा स्त्रोतः– डॉ. किरण नाहटा

2.राजस्थानी साहित्य रो इतिहास– बी.एल.माली 'अशांत', राजस्थानी भवन फाउण्डेशन, 3/343, मालवीय नगर, जयपुर, राजस्थान 302017

3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : एक अध्ययन – बी.एल.माली 'अशांत', राजस्थानी भवन फाउण्डेशन, 3/343, मालवीय नगर, जयपुर, राजस्थान 302017

तृतीय प्रश्न पत्र – राजस्थानी काव्य शास्त्र 42603

इकाई प्रथम

छंद।

इकाई द्वितीय

अलंकार।

इकाई तृतीय

काव्य जथा।

इकाई चतुर्थ

काव्योक्ति।

इकाई पंचम

काव्यदोष।

सहायक पुस्तकें

1रघुवरजस प्रकाश – किसना आढा, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

2.राजस्थानी काव्यशास्त्र – डॉ. पारितोष आसोपा, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति, अकादमी, बीकानेर

3.डिंगल कोष – सं. डॉ. नारायणसिंह भाटी, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

चतुर्थ प्रश्न पत्र – संत – साहित्य 42604

इकाई–प्रथम

संत साहित्य दार्शनिक एवं धार्मिक पृष्ठभूमि।

संत सम्प्रदाय।

इकाई – द्वितीय

दादू पंथ।

जस सम्प्रदाय।

इकाई– तृतीय

चरणदासी पंथ।

विश्नोई सम्प्रदाय।

इकाई–चतुर्थ

रामस्नेही पंथ।

रामस्नेही सम्प्रदाय।

इकाई–पंचम

निरंजनी पंथ।

जैन संत सम्प्रदाय।

सहायक पुस्तकें

1.राजस्थानी भाषा और साहित्यः डॉ. मोतीलाल मेनारिया।

2.राजस्थान के प्रमुख संत एवं लोकदेवता – डॉ.दिनेशचन्द्र शुक्ल, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

3.राजस्थान का जैन साहित्य–सम्पादक – अगरचन्द नाहटा, डॉ.नरेन्द्र भानावत, डॉ. कस्तूरचन्द कासलीवाल, डॉ. मूलचन्द सेठिया प्रकाशक – कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर

3.दादू सम्प्रदाय का संक्षिप्त परिचय मंगल दास स्वामी।

4.नव सम्प्रदाय : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी।

5.जाम्भोजी संत सम्प्रदाय और साहित्य : डॉ. हीरालाल माहेश्वरी।

6.जैन दर्शन एवं कबीर एक तुलनात्मक अध्ययन : जैन साध्वी डॉ. मन्जुश्री म.सा.

पंचम् प्रश्न पत्र – आधुनिक राजस्थानी साहित्य : गद्य विधाएं 42605

इकाई प्रथम

उपन्यास साहित्य।

इकाई द्वितीय

कहानी साहित्य।

इकाई तृतीय

नाटक साहित्य।

इकाई चतुर्थ

एकांकी साहित्य।

निबन्ध साहित्य।

इकाई पंचम

रेखाचित्र एवं संस्मरण साहित्य।

गद्य काव्य।

सहायक पुस्तकें

1.आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा स्त्रोत एवं प्रवृत्तियां – डॉ. किरण नाहटा,चिन्मय प्रकाशन, जयपुर

2.राजस्थानी साहित्य रो इतिहास– बी.एल.माली 'अशांत', राजस्थानी भवन फाउण्डेशन, 3/343, मालवीय नगर, जयपुर, राजस्थान 302017

षष्टम प्रश्न पत्र – आधुनिक राजस्थानी साहित्य : पद्य विधाएं 42606

इकाई प्रथम

प्रबन्ध काव्य।

प्रकृति काव्य।

इकाई द्वितीय

गीति काव्य।

वीर एवं प्रशस्तिकाव्य।

इकाई तृतीय

हास्य एवं व्यंग्य काव्य।

प्रगतिशील काव्य।

इकाई चतुर्थ

भक्ति काव्य।

नीति काव्य।

इकाई पंचम

नयी कविता।

पद्य कथाएँ।

सहायक ग्रंथ–

सहायक पुस्तकें

1.आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा स्त्रोत एवं प्रवृत्तियां – डॉ. किरण नाहटा,चिन्मय प्रकाशन, जयपुर

2.राजस्थानी साहित्य रो इतिहास– बी.एल.माली 'अशांत', राजस्थानी भवन फाउण्डेशन, 3/343, मालवीय नगर, जयपुर, राजस्थान 302017

3.आधुनिक राजस्थानी साहित्य : एक अध्ययन – बी.एल.माली 'अशांत', राजस्थानी भवन फाउण्डेशन, 3/343, मालवीय नगर, जयपुर, राजस्थान 302017

तृतीय षट्मास

प्रथम प्रश्न प्रत्र – राजस्थानी डिंगल साहित्य 43601

प्रथम इकाई

संस्कृत और परवर्ती पालि, पाकृत और अपभ्रंश भाषाएंष, डिंगल शैली : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप। डिंगल शैली : भाषागत विशेषताएँ, पिंगल–डिंगल शैलियाँ : भाषागत अंतर, डिंगल काव्यों में मारवाडी बोली का प्रभाव।

इकाई द्वितीय

प्रारम्भकाल के कवियों की डिंगल काव्यों की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

इकाई तृतीय

पूर्व मध्यकाल के कवियों की डिंगल काव्यों की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

इकाई चतुर्थ

उत्तर मध्यकाल के कवियों की डिंगल काव्य की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

इकाई पंचम

आधुनिक काल के कवियों की डिंगल काव्यों की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

सहायक ग्रंथ

1.डिंगल में वीर रस – डॉ. मोती लाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

2.डिंगल काव्य में सांस्कृतिक गौरव – शिवदान राव, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

3.प्राचीन डिंगल गीत साहित्य – डॉ. नारायण सिंह भाटी, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

4.राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ. मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

द्वितीय प्रश्न प्रत्र – राजस्थानी पिंगल साहित्य 43602

प्रथम इकाई

संस्कृत और परवर्ती पालि, पाकृत और अपभ्रंश भाषाएं, पिंगल, शैली : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप। पिंगल–शैली : भाषागत विशेषताएँ, पिंगल–डिंगल शैलियाँ : भाषागत अंतर, पिंगल–शैली : पिंगल (ब्रजभाषा) और पिंगल काव्यों में ब्रज भाषा का प्रभाव।

इकाई द्वितीय

प्रारम्भकाल के कवियों की पिंगल काव्यों की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

इकाई तृतीय

पूर्व मध्यकाल के कवियों की पिगंल काव्यों की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

इकाई चतुर्थ

उत्तर मध्यकाल के कवियों की पिंगल काव्य की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

इकाई पंचम

आधुनिक काल के कवियों की पिंगल काव्यों की प्रमुख रचनाएँ एवं उनकी विशेषताएँ

सहायक ग्रंथ

1.राजस्थान का पिंगल साहित्य – डॉ. मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

2.राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ. मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

तृतीय प्रश्न पत्रः A राजस्थानी साहित्य के विशिष्ठ साहित्यकार – चतुरसिंह 43603A

इकाई प्रथम

व्यक्तित्व

इकाई–द्वितीय

कृतित्व

इकाई–तृतीय

परमार्थ विचार

इकाई–चतुर्थ

चतुर चिन्तामणि

इकाई–पंचम

श्रीमद् भगवत गीता

सहायक पुस्तकें

1.चतुर चिन्तामणि – चतुरसिंह, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

2.बावजी चतुरसिंह – कन्हैयालाल राजपुरोहित, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

तृतीय प्रश्न पत्रः B राजस्थानी साहित्य के विशिष्ठ साहित्यकार – रामसिंह सोलंकी 43603B

इकाई प्रथम

व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई–द्वितीय

जननायक प्रताप

इकाई–तृतीय

चेटक

इकाई–चतुर्थ

पन्नाधाय

इकाई–पंचम

व्याख्यात्मक प्रश्न

सहायक पुस्तकें

1.जननायक प्रताप – रामसिंह सोलंकी,चिराग प्रकाशन, उदयपुर

2.चेटक – रामसिंह सोलंकी, चिराग प्रकाशन, उदयपुर

3.पन्नाधाय – रामसिंह सोलंकी, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

चतुर्थ प्रश्न पत्रः A राजस्थानी साहित्य के विशिष्ठ साहित्यकार – शिवचन्द्र भरतिया 43604A

इकाई प्रथम

व्यक्तित्व

इकाई–द्वितीय

साहित्य–साधना

इकाई–तृतीय

रचनाएं

इकाई–चतुर्थ

विचारधारा अर मान्यतावां

इकाई–पंचम

अेक प्रगतिशील विचारक अर साहित्य नै अवदान

सहायक पुस्तकें

1.शिवचन्द्र भरतिया – लक्ष्मीकांत व्यास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

2.कनक सुन्दर – शिवचन्द्र भरतिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

चतुर्थ प्रश्न पत्रः B राजस्थानी साहित्य के विशिष्ठ साहित्यकार – मुरलीधर व्यास

43604B

इकाई प्रथम

व्यक्तित्व

इकाई–द्वितीय

कहाणी

इकाई–तृतीय

रेखाचितरांम

इकाई–चतुर्थ

हास्य–व्यंग्य

इकाई–पंचम

नाटक एवं संस्मरण

सहायक पुस्तकें

1.मुरलीधर व्यास ''राजस्थानी'' – भवानीशंकर व्यास ''विनोद'',साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

पंचम प्रश्न पत्रः A राजस्थानी काव्य विधा 43605A

इकाई प्रथम

महादेव पारवती री वेली –सं.रावत सारस्वत, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

इकाई–द्वितीय

हाला–झाला रा कुण्ड़लिया–ईसरदास बारहठ सं.– डॉ. मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

इकाई–तृतीय

राजिया रा सोरठा – सं.– डॉ.शक्तिदान कविया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

इकाई–चतुर्थ

रणमल छंद –श्रीधर व्यास कृत –सं. मूलचंद प्राणेश, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

इकाई–पंचम

व्याख्यात्मक प्रश्न

पंचम प्रश्न पत्रः B राजस्थानी भक्ति काव्य 43605B

प्रथम इकाई

हरिरस : ईसरदास बारठ कृत सं.– बदरीप्रसाद साकरिया, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

द्वितीय इकाई

अलख पच्चीसी – महाराज चतुर सिंह जी बावजी, सं.– देवकर्ण सिंह रुपाहेली, प्रो. जी. एस. राठौड़, प्रकाशक– चतुर बाग परिवार, सरदारपुरा, उदयपुर

तृतीय इकाई

रामरतन माला – योगीवर्य गुमान सिंह सं. – डॉ. रामसिंह सारंगदेवोत, प्रकाशक– अंकुर प्रकाशन,13 पीपलेस्वर महादेव की गली, नाईयों की तलाई, उदयपुर

चतुर्थ इकाई

उक्त तीनों पाठ्य पुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न।

इकाई पंचम

आधुनिक भक्ति काव्य का इतिहास।

1.आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा स्त्रोत एवं प्रवृत्तियां – डॉ. किरण नाहटा,चिन्मय प्रकाशन, जयपुर

षष्टम प्रश्न पत्रः A भाषा विज्ञान 43606A

इकाई प्रथम

भाषा एवं लिपि की परिभाषा एवं विशेषताएँ।

इकाई द्वितीय

भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं उसके अंग।

इकाई तृतीय

भारत यूरोपीय भाषा परिवार एवं राजस्थानी का स्थान।

इकाई चतुर्थ

ध्वनिविज्ञान, अर्थविज्ञान।

इकाई पंचम

रूप विज्ञान शब्दकोश।

सहायक पुस्तकें

भाषा विज्ञान : डॉ. भोला नाथ तिवारी

षष्ट्म प्रश्न पत्र – B सर्वेक्षण एवं रिपोर्ट राइटिंग – प्रोजेक्ट वर्क 43606B

इकाई प्रथम

भाषा एवं बोलियां

इकाई द्वितीय

राजस्थानी साहित्यिक एवं सास्कृतिक केन्द्र

इकाई तृतीय

राजस्थानी तीज–त्यौहार

इकाई चतुर्थ

राजस्थान के मेलें

इकाई पंचम

राजस्थानी लोक आस्था के केन्द्र

चतुर्थ षट्मास

प्रथम प्रश्न पत्र आधुनिक कथा–साहित्य **44601**

इकाई–प्रथम

मेवै रा रूंख–अन्ना राम सुदामा धरती प्रकाशन, बीकानेर

इकाई–द्वितीय

तीन बी सी बार– सम्पादक नन्द भारद्वाज नेशनल बुक ट्रस्ट ए–5, ग्रीन पाक्र,नई दिल्ली

इकाई–तृतीय

विजय दान देथा री सिरै कथावां–सम्पादक विजयदान देथा नेशनल बुक ट्रस्ट ए–5,ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

इकाई–चतुर्थ

उक्त तीनों पाठय पुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न

इकाई–पंचम

आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का विकास

सहायक पुस्तकें

1.आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा स्त्रोत एवं प्रवृत्तियां – डॉ. किरण नाहटा,चिन्मय प्रकाशन, जयपुर

द्वितीय प्रश्न पत्र – काव्य शास्त्र **44602**

इकाई प्रथम

काव्य की परिभाषा, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

इकाई द्वितीय

रस सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय।

इकाई तृतीय

अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय।

इकाई चतुर्थ

वक्रोक्ति सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय।

इकाई पंचम

पाश्चात्य सांहित्य सिद्वान्तों का सामान्य परिचय।

(अरस्तु का विरेचन एवं अनुकरण, क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद, कालरिज का कल्पना सिद्वांत)

सहायक पुस्तकें

1.भारतीय काव्य शास्त्र : डॉ. भागीरथ मिश्र।

2.पाश्चात्य काव्य शास्त्र : डॉ. तारकनाथ बाली।

3.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र– डॉ.कृष्णदेव झारी

तृतीय प्रश्न पत्रः A – राजस्थानी समाज एवं संस्कृति 44603A

इकाई – प्रथम

प्राचीन काल, मध्यकाल, उपनिवेशकाल और 1857 का राजस्थान में स्वाधीनता संग्राम, राजस्थान की रियासतें, राजस्थान का एकीकरण।

इकाई – द्वितीय

राजस्थान का भूगोल,क्षेत्र, वनस्पतियां, पहाड़, नदी, नाले, एवं पशुपक्षी।

इकाई – तृतीय

खान–पान और वेश–भूषा।

इकाई – चतुर्थ

पर्व, व्रत–त्यौहार एवं उत्सव

इकाई – पंचम

लोक नृत्य, मनोरंजन, खेलकूद, लोक तीर्थ, रीति रिवाज

सहायक ग्रंथ

1.राजस्थान का इतिहास – बी.एल. पानगड़िया, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर

2.राजस्थान का स्वाधीनता संग्राम – डॉ. प्रकाश व्यास, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

3.राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा – सं. डॉ. जससिंह नीरज, डॉ. बी.एल. शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

4.राजस्थान के रीति रिवाज – डॉ. सुखवीर सिंह गहलोत

5.राजस्थान के लोक नृत्य – डॉ. महेन्द्र भानावत,

6.राजस्थान का लोक साहित्य – नानूराम संस्कर्ता

7.राजस्थान का वृहद इतिहास – राम प्रसाद व्यास

8.राजस्थान की पंरम्परा और संस्कृति – रानी लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत

9.राजस्थानी लोक संस्कृति एवं लोक देवी–देवता – डॉ. सुरेश सालवी

10.राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति (एक समग्र अवलोकन) –हरदान हर्ष,आशीर्वाद, पब्लिकेशन्स बी–10,लक्ष्मी मन्दिर सिनेमा के पास, टोंक रोड़, जयपुर

तृतीय प्रश्न पत्रः B राजस्थानी लोक संस्कृति के विविध रुप 44603B

इकाई – प्रथम

राजस्थान के लोक देवी–देवता

इकाई – द्वितीय

राजस्थान के संस्कार एवं अनुष्ठान

इकाई – तृतीय

राजस्थानी लोक कलाएं– मांडणा, स्थापत्य एवं चित्रकला

इकाई – चतुर्थ 20 अंक

लोक विश्वास

इकाई – पंचम 20 अंक

मेले

सहायक ग्रंथ

1.राजस्थानी लोक संस्कृति एवं लोक देवी–देवता – डॉ. सुरेश सालवी, आर्य बुक सेन्टर, हिमान्शु पब्लिकेशन्स, उदयपुर

2.राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा– सं. डॉ. जयसिंह नीरज, डॉ.भगवती लाल शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

3.राजस्थान के रीति रिवाज – डॉ. सुखवीर सिंह गहलोत

4.राजस्थान की पंरम्परा और संस्कृति – रानी लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत,

चतुर्थ प्रश्न पत्रः A – राजस्थानी भाषा का व्याकरण 44604A

इकाई प्रथम

राजस्थानी भाषा की वर्णमाला।

इकाई द्वितीय

राजस्थानी भाषा की विशिष्ट ध्वनियां

इकाई तृतीय

राजस्थानी भाषा के संज्ञा एवं सर्वनाम रूप।

इकाई चतुर्थ

राजस्थानी भाषा की व्याकरणिक विशेषताएं एवं क्रिया रुप

इकाई पंचम

राजस्थानी भाषा के अव्यय एवं परसर्गों का विकास।

सहायक पुस्तकें

1.राजस्थानी भाषा और उसकी बोलियॉ – सम्पादक : डॉ. देव कोठारी, साहित्य संस्थान, उदयपुर

2.राजस्थानी भाषाः भाषा–वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. मनमोहन स्वरुप माथुर, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

3.आधुनिक राजस्थानी का संरचनात्मक व्याकरण – कालीचरण बहल शिकागो विश्वविद्यालय, राजस्थानी शोध संस्थान चौपासनी, जोधपुर

4. राजस्थानी व्याकरण – बी.एल.माली'अशांत', राजस्थानी भवन फाउण्डेशन 3/343,मालवीय नगर, जयपुर

5.राजस्थानी व्याकरण – पद्मश्री सीताराम लालस, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

चतुर्थ प्रश्न पत्रः B – राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन 44604B

इकाई प्रथम

राजस्थानी भाषा

इकाई द्वितीय

राजस्थानी साहित्य

इकाई तृतीय

लोक साहित्य

इकाई चतुर्थ

संस्कृति

इकाई पंचम

साहित्यकार

पंचम प्रश्न पत्रः A – पाठालोचन **44605A**

इकाई प्रथम

पाठालोचन के सिद्धान्त।

इकाई द्वितीय

पाठालोचन की प्रक्रिया।

इकाई तृतीय

पाठालोचन की सम्पादन पद्धतियाँ (टैसीटरी, ठाकुर रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी)।

इकाई चतुर्थ

पाठालोचन की सम्पादन पद्वतियॉ।

(हरिनारायण पुरोहित एवं कन्हैयालाल सहल)

इकाई पंचम

पाठालोचक की अपेक्षित योग्यता एवं पाठालोचक के गुण

सहायक पुस्तकें

1.पाठालोचन की भूमिका : डॉ. उदय नारायण तिवारी

2.पाण्डुलिपि विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

पंचम प्रश्न पत्रः B – पाण्डुलिपि सम्पादन **44605B**

इस प्रश्न पत्र में किसी महत्वपूर्ण पाण्डुलिपि के कम से कम 25 पृष्ठों का सम्पादन करके आवश्यक सम्पादकीय भूमिका के साथ प्रस्तुत करना होगा। (मूल पाठ एवं सम्पादित पाठ) जिसकी टंकित प्रतियाँ सत्रांत में विभागीय कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी। यह पाण्डुलिपि सम्पादन 100 अंको का होगा। इसका मूल्याँकन निर्देशक द्वारा उपयुक्तता प्रमाण–पत्र देने के उपरान्त बाह्य परीक्षक द्वारा होगा।

षष्ट्म प्रश्न पत्रः A – राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों पर प्रोजेक्ट वर्क 44606A

इकाई प्रथम

प्रारम्भ काल एवं पूर्वमध्यकाल के रचनाकार

इकाई द्वितीय

उत्तर मध्यकाल के रचनाकार

इकाई तृतीय

आधुनिक गद्य रचनाकार

इकाई चतुर्थ

आधुनिक पद्य रचनाकार

इकाई पंचम

लोक साहित्यकार

षष्ट्म प्रश्न पत्रः B – लघु शोध–प्रबन्ध 44606B

इकाई प्रथम

राजस्थानी भाषा एवं बोलियां

इकाई द्वितीय

साहित्य, विधा एवं साहित्यकार

इकाई तृतीय

लोक साहित्य

इकाई चतुर्थ

राजस्थानी संस्कृति

इकाई पंचम

लोकोत्सव एवं लोक कलाएं